



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड ३—उद्घाटन (१)  
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्रधानमंत्री द्वारा प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 405]

लाई दिल्ली, संगलवार, अगस्त 1, 1989/शावाण 10, 1911

No. 405]

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 1, 1989/SRAVANA 10, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दो आती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

प्रधिमचन्नार्थ

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 1989

मं. 213/89-सीमाशुल्क

मा.का.नि. 733(प्र)---केन्द्रीय वरकार, सीमाशुल्क प्रधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोक स्थिति में ऐसा करना आवश्यक है, खपते वाले माल को जब उसका भारत मरकार के प्रान्तिक विभाग या परभाणु कर्ता विभाग के प्रणामनिक नियंत्रण के अधीन किसी लोक निधिक अनुसंधान संस्थान द्वारा (जिसे इसके पालनातारी करा गया है), भारत में प्रायात्मक कार्यालय तो—

(क) सीमाशुल्क टैरिफ प्रधिनियम, 1975 (1975 का 57) की पहली अनुमूली के अधीन उम पर उद्घाटनीय मम्पुर्ण सीमाशुल्क में; और

(ख) उक्त सीमाशुल्क टैरिफ प्रधिनियम की धारा 3 के अधीन उम पर उद्घाटनीय मम्पुर्ण प्रतिरक्षण शुल्क में,

निम्नलिखित शर्तों के प्रधीन रखने द्वारा शुल्क दिया है, प्रवित्रः—

(1) तकनीकी विकास महानिवेशालय, भारत मरकार का कोई अधिकारी, जो श्रीराष्ट्रीय मवाहकार की पंक्ति से नीचे का न तो, प्रथेक सामने में यह प्रमाणित करता है कि ऐसे खपते वाले माल का जिसके मंदिर में इस अधिमूलन के अधीन दृट का दावा किया गया है, विनिर्णय भारत में नहीं किया जाता है और ऐसा प्रमाणवत्र निकासी के समय या ऐसी प्रवित्र के भीतर जो महायक सीमाशुल्क कलक्टर पर्यावरण कारण दर्शन किए जाने पर प्रथेक सामने में अनुज्ञान कर, प्रायात्मक द्वारा प्रम्भूत किया जाता है;

(2) प्रायात्मकर्ता में प्रणामनिक रूप से मम्बड़ विभाग में भारत मरकार का कोई अधिकारी, जो उम मविव की पंक्ति से नीचे का न तो, प्रथेक गामते में यह प्रमाणित करता है कि ऐसे खपते वाला माल, जिसके मंदिर में इस अधिमूलन के अधीन दृट का दावा किया गया है, प्रायात्मकर्ता के अनुसंधान मंदिर क्रियाकारी के लिए प्रयोगित है और प्रायात्मकर्ता किसी

वाणिजिक क्रियाकलाप में नहीं लगा हुआ है और वह इन प्रधिमूलनों के अधीन छट की भेत्री के लिए सिफारिश करता है और ऐसा प्रमाणपत्र निकासी के भवय का ऐसी घबरि के भीतर जो बहावक नीमाशुल्क कलेक्टर वर्चन कारण दर्शित किया जाने पर प्रत्येक भागों में अनुशासन करे, आवश्यकता द्वारा प्रमूल किया जाता है।

(3) आवश्यकता वाली संस्था का प्रबाल प्रत्येक भागों में यह प्रमाणित करता है कि ऐसे वाली वाले भाग का, जिसके संबंध में इस प्रधिमूलन के अधीन छट का दावा किया गया है, केवल अनुशासन के प्रवीजनों के लिए उपयोग किया जाएगा और उसका किसी अन्य उपयोग को अत्यरण नहीं किया जाएगा।

**स्पष्टीकरण:**—इस प्रधिमूलन के प्रवीजनों के लिए प्रभिष्ठित—

(क) “लोक-निविधि प्रमुखधान संस्था” से ऐसी कोई अनुशासन संस्था अधिष्ठेत है, जिसकी वज़ा में आवश्यक व्यव के 50 प्रतिशत से अधूरा का केन्द्रीय सरकार वा किसी राज्य सरकार या किसी भौतिक व्यक्ति द्वारा बहन किया जाता है;

(म) नेत्रों के “प्रबाल” से उम्मका निवेदक (जोहे वह किसी भी नाम से शात हो) अधिष्ठेत है।

[का.सं. 346/19/89-टीमार्क्यू]

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

### NOTIFICATIONS

New Delhi, the 1st August, 1989

NO. 213/89-CUSTOMS

G.S.R. 733(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts consumable goods, when imported into India by a public-funded research institution under the administrative control of the Department of Space or the Department of Atomic Energy of the Government of India (hereinafter called “importer”), from—

(a) the whole of the duty of customs leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (57 of 1975); and

(b) the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act, subject to the following conditions, namely :—

(i) an officer of the Directorate General of Technical Development, Government of

India, not below the rank of Industrial Adviser certifies in each case that the consumable goods in respect of which the exemption is claimed under this notification are such as are not manufactured in India and such certificate is produced by the importer at the time of clearance or within such period as the Assistant Collector of Customs may, on sufficient cause being shown, allow in each case;

(ii) an officer of the Government of India not below the rank of Deputy Secretary in the Department administratively concerned with the importer certifies in each case that the consumable goods in respect of which the exemption is claimed under this notification are such as are required for the research activity of the importer and the importer is not engaged in any commercial activity and recommends the grant of exemption under this notification, and such certificate is produced by the importer at the time of clearance or within such period as the Assistant Collector of Customs may, on sufficient cause being shown, allow in each case;

(iii) the Head of the importing institution certifies in each case that the consumable goods in respect of which exemption is claimed under this notification shall be used only for the purposes of research and shall not be transferred to any other person.

### EXPLANATION—

For the purposes of this notification, the expression—

(a) “public-funded research institution” means a research institution in the case of which not less than fifty per cent of the recurring expenditure is met by the Central Government or the Government of any State or the administration of any Union Territory;

(b) “Head” of the institution means the Director thereof (by whatever name called).

[F. No. 346/19/89-TRU]

सं. 214/89-सीमाशुल्क

का.सं. 734(प्र).—केन्द्रीय सरकार, वित्त विभाग, 1989 (1989 का 13) की भारा, 35 की उपभारा (4) के साथ पठित नीमाशुल्क प्रधिनियम, 1962 (1962 का 52) की भारा 25 की उपभारा (1) भारा प्रबल विकल्पों का प्रयोग करते हुए, प्रपत यह समाधान

हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के निच मंत्रालय, राजस्व विभाग की अधिसूचना संख्या 151/89-सीमाशुल्क तारीख 12 मई, 1989 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अबार्तुः—

उक्त अधिसूचना में, अनुमूली में, कम संख्या 266 और उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित कम संख्या और प्रविष्टि अल्पस्वापित की जाएगी, अबार्तुः—

"267. संख्या 213/89-सीमाशुल्क, तारीख 1 प्रगल्प, 1989"

[फ. सं. 346/12/टी भारत]  
टी. प्रेम कुमार, उप सचिव

NO. 214/89-CUSTOMS

G.S.R. 734(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4)

of section 35 of the Finance Act, 1989 (13 of 1989), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue No. 159/89-Customs, dated the 12th May, 1989, namely :—

In the Schedule to the said notification, after serial number 266 and the entry relating thereto, the following serial number and entry shall be inserted, namely :—

"267. No. 213/89-Customs, dated the 1st August, 1989."

[F. No. 346/19/89-TRU]  
T. PREM KUMAR, Dy. Secy.

